



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

---

सं. 695] नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 24, 1993/अग्रहायण 3, 1915  
No. 695] NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 24, 1993/AGRAHAYANA 3, 1915

---

नागर विमानन और पर्यटन मंत्रालय  
(नागर विमान विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 नवम्बर, 1993

का.आ. 892(अ) :—जबकि 15 नवम्बर, 1993 को इंडियन एयरलाइंस का विमान एयर बस ए-300 बी.टी.-ई.डी.बी.बी. हैदराबाद से मद्रास की उड़ान सख्या आई.सी.-440 का प्रचालन करते हुए तिरुपति के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

और जबकि केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि उक्त दुर्घटना को परिस्थितियों की औपचारिक जांच करना समीचीन है।

अतः, अब, वायुयान नियमावली, 1937 के नियम 75 द्वारा प्रदत्त शक्तिया का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निर्देश देती है कि उक्त दुर्घटना की औपचारिक जांच की जाये।

केन्द्रीय सरकार, उक्त जांच के लिये न्यायालय के रूप में कार्य करते हेतु एयर मार्शल जे.के. सैठ (सेवा निवृत्त, पी.बी.एम.एम., ए.डी.एस.एम., बी.एम. भूतपूर्व ए.ओ.सी. इनसी. प्रशिक्षण कमांड, भारतीय वायुसेना को नियुक्त करती है।

केन्द्रीय सरकार :—

(1) कैप्टन आई.आर. सोनपर, एयर इंडिया सेवा-निवृत्त विमानचालक (2) श्री ओ.पी. श्रीवास्तव, इंजीनियरिंग प्रबंधक (प्रमुख अनुरक्षण), एयर इंडिया को भी उक्त जांच के लिये एसेसर के रूप में कार्य करने के लिये नियुक्त करती है।

श्री आर.के. खन्ना, बरिष्ठ उड़न-योग्यता अधिकारी नागर विमानन महानिदेशालय, दिल्ली एयरपोर्ट, न्यायालय के सचिव के रूप में कार्य करेंगे।

न्यायालय 28 फरवरी, 1994 तक अपनी जांच पूरी करके केन्द्रीय सरकार का अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।

न्यायालय का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

न्यायालय को सचिवालय संबंधी सहायता नागर विमानन महानिदेशक के कार्यालय द्वारा प्रदान की जायेगी।

[संख्या एवी-15013/17/93-एस.एस.बी.]

पी.के. बैनर्जी संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF CIVIL AVIATION AND TOURISM

(Deptt. of Civil Aviation)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd November, 1993

S.O. 892(E).—WHEREAS on 15th November, 1993 an Indian Airlines Airbus A-300 aircraft VT-EDV while operating flight No. IC-440 from Madras to Hyderabad was involved in an accident near Tirupati.

AND WHEREAS it appears to the Central Government that it is expedient to hold a formal investigation into the circumstances of the said accident.

NOW, in exercise of the powers conferred by Rule 75 of the Aircraft Rules, 1937, the Central Government hereby directs that a formal investigation of the said accident be held.

The Central Government is pleased to appoint Air Marshal J. K. Seth (Retd.), PVSM, AVSM, VM, former Air Officer Commanding in Chief, Training Command, Indian Air Force, to function as the court to hold the said investigation.

The Central Government is also pleased to appoint :

- (i) Capt. I. R. Sonpar, a retired pilot of Air India.
- (ii) Shri R. P. Srivastava, Engineering Manager (Major Maintenance), Air India.

to act as assessors for the said investigation.

Shri R. K. Khanna, Senior Airworthiness Officer, Directorate General of Civil Aviation, Delhi Airport will function as Secretary to the Court.

The Court will complete its inquiry and make its report to the Central Government by 28th February, 1994.

The Headquarters of the Court will be at New Delhi.

Secretarial assistance to the Court will be provided by the office of the Director General of Civil Aviation.

[No. AV. 15013/17/93-SSV]

P. K. BANERJI, Jt. Secy.

